नाम – उत्तमा द्विवेदी
मो0नं0 – 6398010244

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

सतत विकास व विकास है जिसकी शुरुआत वर्ल्ड कंजर्वेशन स्ट्रेटजी से वर्ष 1962 में बताया गया था सतत विकास वह विकास है जो सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में बताता है और सतत विकास की जो पीढ़ियों में जो विकास को जरूरतों को पूरा करने के लिए समझौता करने से जो अपनी जरूरतों ना पूरा करना दूसरे की जरूरतों को पूरा करता है तथा विकास अपनी आवश्यकताओं को छोड़कर दूसरे की आवश्यकताओं को पूरा करता है और सतत विकास में सामाजिक उद्योगों और आर्थिक उद्योगों और संरक्षण का समावेश किया जाता है सतत विकास युवाओं की या महिलाओं की पूर्ति करता है सतत विकास में सभी कमियों को पूरा किया जाता है सतत विकास में भुखमरी गरीबी और स्वच्छता की पूर्ति करना होता है।

सतत विकास पर्यावरण या प्रकृति और प्राकृतिक को आओ उपयोगिता को पूरा करना होता है जो सभी सतत विकास ही पूरा करता है।

सतत विकास सभी कमियों को पूरा करता है जैसे जल का सुरक्षा पर्यावरण की सुरक्षा जीवन जीने की कला और जो गरीबी को खत्म करना युवाओं की पूर्ति करना जाती पाती को हटाना ही सतत विकास है।

लक्ष्यों की पूर्ति करना–

राष्ट्रीय संघ की पूर्ति एवं 2030 एजेंडा 17 सतत विकास

1. गरीबी को खत्म करना ।
2. शिक्षा का प्रचार प्रसार करना।
3. शिक्षा को बढ़ावा देना ।
4. रोजगार को बढ़ावा देना ।
5. बेरोजगार को रोजगार देना ।
6. जल को सुरक्षित रखना ।
7. पर्यावरण को सुरक्षित करना एवं रखना ।
8. ऊर्जा को लाना ।
9. सामाजिक प्रक्रिया को आगे लाना ।
10. राष्ट्रीय संघ को पाना ।

11. जाति पाति को पीछा छोड़ाना।

12. न्याय उम्मीदों को लाना।

13. सतत विकास को हमेशा से रखना।

14. सतत विकास अन्दर की कमी को दिखाता है।

15. सतत विकास हमारे उद्योगों को बढ़ावा देता है

16. सतत विकास हमारे जीवन की भूमिकाओं को निखारता है।

17. महिलाओं को पूर्ति करने की कोशिश करता है।

18. सतत विकास अधिक कमी को पूरा करता है।

<u>युवाओं की भूमिका–</u>

सतत विकास युवाओं की भूमिका निभाते हैं सतत विकास सारी कमियों को पूरा करता है सतत विकास एक वर्ड कंजर्वेशन स्ट्रेटजी ने के द्वारा किया गया था जैसे 1962 में यह सतत विकास लाया गया था सतत विकास में राष्ट्रीय संघ की एजेंडा भी लाया और वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2030 तक था। वर्ष 2015 में यह या बात को बताया कि राष्ट्रीयता और संघ की भी सतत विकास में भूमिका निभाया जाता है जैसे पर्यावरण को सुरक्षित करना भूख गरीबी शिक्षा प्राकृत आप आप को रोकना देशों के बारे में अच्छी जानकारी बनाना सतत विकास 17वीं सदी से यह बताएं कि हमें आपस में रहना चाहिए। और सतत विकास सभी कमियों को पूरा करने की कोशिश करता है सतत विकास वह विकास है जो हमारे देशों को आगे बढ़ाता है।